



महाराष्ट्र शासन राजपत्र

असाधारण भाग सात

वर्ष १, अंक ५]

गुरुवार, मार्च १२, २०१५/फाल्गुन २१, शके १९३६

[पृष्ठे ३, किंमत : रुपये ४७.००

असाधारण क्रमांक ११

प्राधिकृत प्रकाशन

अध्यादेश, विधेयके व अधिनियम यांचा हिंदी अनुवाद (देवनागरी लिपी).

उच्चतर तथा तकनीकी शिक्षा विभाग

मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक, मंत्रालय,

मुंबई ४०० ००३२, दिनांकित ४ मार्च २०१५ ।

MAHARASHTRA ORDINANCE No. IV OF 2015.

AN ORDINANCE

**FURTHER TO AMEND THE MAHARASHTRA
UNIVERSITIES ACT, 1994.**

महाराष्ट्र अध्यादेश क्रमांक ४ सन् २०१५ ।

महाराष्ट्र विश्वविद्यालय अधिनियम, १९९४ में अधिकतर संशोधन संबंधी अध्यादेश ।

क्योंकि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का सत्र नहीं चल रहा है ;

और क्योंकि महाराष्ट्र के राज्यपाल का समाधान हो चुका है कि ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान हैं, जिनके
सन् १९९४ कारण उन्हें, इसमें आगे दर्शित प्रयोजनों के लिए, महाराष्ट्र विश्वविद्यालय अधिनियम, १९९४ में अधिकतर
का महा. संशोधन करने के लिए सद्य कार्यवाही करना आवश्यक हुआ है;
३५।

अब, इसलिए, भारत के संविधान के अनुच्छेद २१३ के खंड (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए, महाराष्ट्र के राज्यपाल, एतद्वारा निम्न अध्यादेश प्रख्यापित करते हैं, अर्थात् :-

(१)

प्रारम्भिक

संक्षिप्त नाम तथा
प्रारम्भण ।

१. (१) यह अध्यादेश महाराष्ट्र विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश, २०१५ कहलाए ।
(२) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा ।

सन् १९९४
का महा. ३५।

२. महाराष्ट्र विश्वविद्यालय अधिनियम, १९९४ की धारा १२ की, उप-धारा (७) में, “ बारह महिने ” शब्दों के स्थान में, “ अठारह महिने से अनधिक पदावधि के लिये ” शब्द रखे जायेंगे ।

सन् १९९४
का महा.
३५ की
धारा १२ में
संशोधन।

वक्तव्य ।

महाराष्ट्र विश्वविद्यालय अधिनियम, १९९४ (सन् १९९४ का महा. ३५) की धारा १२, कुलपति की नियुक्ति के लिये उपबंध करती है । उक्त अधिनियम की उक्त धारा १२ की उप-धारा (७), कुलाधिपति को, उसमें अधिकथित परिस्थितियों के अधीन, किसी यथोचित व्यक्ति को, कुल बारह महीने से अनधिक अवधि के लिये कुलपति के रूप में कार्य करने हेतु नियुक्त करने के लिये सशक्त करती है।

२. सरकारी अधिसूचना दिनांकित २७ सितम्बर, २०११ द्वारा नियुक्त किये गये गोंडवना विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति अर्धवार्षिकी के कारण, ५ मार्च २०१४ को निवृत्त हुए थे। गोंडवना विश्वविद्यालय की प्रबंध परिषद और अकादमिक परिषद विभिन्न कारणों के कारण शीघ्रतम गठित नहीं की जा सकने के कारण कुलपति के पद के लिए यथोचित नामों की सिफारिश के लिये छानबीन समिति का गठन नहीं किया जा सका । इसलिए इन परिस्थितियों के अधीन सम्माननीय कुलाधिपति ने, ६ मार्च २०१४ को कार्यकारी कुलपति की नियुक्ति की है। धारा १२ की उक्त उप-धारा (७) द्वारा यथा उपबंधित उक्त कार्यकारी कुलपति की पदावधि, ५ मार्च २०१५ को अवसित होगी। आरंभ से प्रबंध परिषद और अकादमिक परिषद के गठन की प्रक्रिया काफी अधिक समय लेनेवाली होगी। ऐसे में, सद्य भविष्य में उक्त विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति करना संभव नहीं होगा।

३. इसलिये, महाराष्ट्र सरकार, उक्त उप-धारा (७) में उपबंधित, उक्त अवधि को बढ़ाना इष्टकर समझती है, ताकि यह उपबंध किया जा सके कि, महाराष्ट्र विश्वविद्यालय अधिनियम, १९९४ के यथोचित संशोधन द्वारा, कुलाधिपति, कुल मिलाकर अठारह महीनों से अनधिक पदावधि के लिए कुलपति के रूप में कार्य करने के लिये किसी यथोचित व्यक्ति को नियुक्त कर सकें।

४. क्योंकि, राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों का सत्र नहीं चल रहा है और महाराष्ट्र के राज्यपाल का समाधान हो चुका है कि, ऐसी परिस्थितियाँ विद्यमान हैं, जिनके कारण उन्हें उपर्युक्त प्रयोजनों के लिये, महाराष्ट्र विश्वविद्यालय अधिनियम, १९९४ (सन् १९९४ का महा. ३५) में अधिकतर संशोधन करने के लिये, सद्य कार्यवाही करना आवश्यक हुआ है, अतः यह अध्यादेश प्रख्यापित किया जाता है।

मुम्बई,
दिनांकित ३ मार्च २०१५।

चे. विद्यासागर राव,
महाराष्ट्र के राज्यपाल।

महाराष्ट्र के राज्यपाल के आदेश तथा नाम से,

संजय चहांदे,
सरकार के प्रधान सचिव।

(यथार्थ अनुवाद)

स. का. जोंधळे,
भाषा संचालक,
महाराष्ट्र राज्य।